प्रैस विज्ञप्ति

1 अक्टूबर, 2012

महात्मा गाँधी की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्षा श्रीमती ममता शर्मा जी ने कहा कि समाज के आखिरी पंक्ति के आखिरी आदमी के विकास के बिना देष विकास की राह पर आगे नहीं बढ़ पायेगा। मैं ऐसा समझती हूँ कि जिस देष में महिलाओं को हर कार्य में पहला स्थान दिया जाता था आज आधुनिकता और पाष्चात्य प्रभाव के कारण देष की 80 प्रतिषत ग्रामीण महिलाएँ अपने को पिछड़ा हुआ और ठगा हुआ महसूस कर रही हैं। समाज की मुख्य धारा और विकास कार्यों से जोड़े बिना हम महिलाओं के चंहुमुखी विकास की कल्पना नहीं कर सकते। बापू ने यह भी कहा था कि अहिंसा की राह पर चल कर ही हम अच्छे और बेहतर समाज का निर्माण कर सकते हैं। हालांकि देष में महिलाओं के अधिकारों को ले कर उनके सबलीकरण के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग और हमारी सरकार द्वारा बहुत से कार्य किये जा रहे हैं लेकिन इस मौके पर मैं समाज के हर तबके के लोगों से अनुरोध करूँगी कि महिलाओं को सुरक्षित और अच्छा जीवन जीने के लिए अच्छा वातावरण प्रदान करें । गाँधी जी ने कहा था कि मन वचन और कर्म तीनों से ही अहिंसा का पालन करें।

गाँधीजी महिला और पुरुष दोनों के उत्थान और विकास को देष का उत्थान मानते थे। खास तौर पर ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं के आर्थिक विकास को महत्वपूर्ण मानते थे। इस मौके पर बापू को हमारी ओर से सच्ची श्रद्धांजली ही होगी जब हम घरेलू हिंसा, सामाजिक हिंसा नहीं करेंगे और अहिंसक समाज का निर्माण करेंगे। बापू ने कहा था कि हम चाहे कितना ही आधुनिक बनें लेकिन हमारी संस्कृति में हमारे कदम और हमारी सोच जुड़े हुए होने चाहिए। हौसले आसमान पर उड़ने के हों लेकिन हमारे पाँव जमीन पर होने चाहिए।

.....